भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001

फ़ाइल् क्रमांक **F.No. :** टेक **10-6/2023** दिनांक **Date: 18.09.2023**

YouTube channel: https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxkAuSyQ
Facebook Page: https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-यह दाने भरने की प्रारंभिक अवस्था से 507415769433553
Twitter: @IisrIcar **Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers**

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(18-24 सितम्बर 2023 / 18th-24th September 2023)

अ. वर्तमान परिपेक्ष में सम-सामायिक सलाह A. (Important advisory for the present situation)

जिन किसानों द्वारा सोयाबीन की शीघ्र पकने वाली किस्में लगाईं गई है, परिपक्वता के अंतिम पड़ाव पर है तथा कुछ क्षेत्रों में कटाई के लिए तैयार हैं. लेकिन मध्य प्रदेश के इंदौर समेत कई जिलों में विगत सप्ताह से लगातार हो रही अतिवृष्टि के परिपेक्ष में सोया कृषकों को निम्न उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही हैं.

1	लगातार बारिश होने वाले क्षेत्रों में तुरंत खेत से अतिरिक्त जल की निकासी की व्यवस्था करे एवं जलभराव की स्थिति से होने वाले नुकसान से फसल को बचाए. In the event of continuous rains, farmers are advised to make necessary drainage arrangements in order to maintain the quality of the soybean produce as a result of waterlogging situation	
2	सोयाबीन की फलियों में दाने भरने या परिपक्वता की अवस्था में फसल पर होने वाली लगातार बारिश से सोयाबीन की गुणवत्ता में कमी आ सकती हैं या फलियों के दाने अंकुरित होने की भी सम्भावना हो सकती हैं. अतः सलाह हैं कि उचित समय पर फसल की कटाई करे जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके. Because of continued rain during the maturity stage, the soybean crop is likely to be affected in terms of its quality parameters including viability as well as risk of pre-harvest sprouting in the matured pods. Therefore, farmers are advised to harvest their crop at the right time (Physiological maturity indicating change in pod color). This will also minimize the yield losses due to shattering. However, the crop harvested at physiological maturity must be dried properly to avoid losses due to rotting of grains.	
3	सोयाबीन की शीघ्र पकनेवाली किस्मों में 90% फलियों का रंग पिला पड़ने पर फसल की कटाई कर सकते हैं. इससे बीज के अंकुरण में विपरीत प्रभाव नहीं होता. It is advised that the early maturing soybean varieties should be harvested immediately after the 90% pods have turned yellow. This will not have adverse effect on the seed germination.	
4	सोयाबीन फसल की कटाई करने से पहले कृषकगण कृपया मौसम का पूर्वानुमान देखे एवं कटाई के बाद 4-5 दिन तक वर्षा नहीं आने की सम्भावना होने पर ही कटाई करें अन्यथा कटाई के बाद होने वाली वर्षा से फसल पर फफूंद लग सकती हैं. Farmers are advised to harvest their soybean crop while ensuring the possibility of no rains after the harvesting. Otherwise, the harvested crop gets affected by fungal infection.	

5	सोयाबीन की कटी हुयी फसल को धुप में सुखाने के पश्चात गहाई करें. तुरंत गहाई करना संभव नहीं होने की स्थिति में बारिश से बचाने हेतु फसल को सुरक्षित स्थान पर इकठ्ठा करें. The harvested crop must be threshed after sun drying. If the threshing is to be done later, it should be stored at safe place protecting from rains.
6	आगामी वर्ष बीज के रूप में उपयोगी सोयाबीन की फसल की गहाई 350 से 400 आर.पी.एम. पर करें जिससे बीज की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े. If the produce is to be used for seed purpose in the next season, farmers are advised to thresh the soybean at 350 to 400 RPM thresher to avoid the loss of seed germination.

<u>ब. कीट /रोग प्रबंधन बाबत सलाह B. Control of insect-pests and diseases</u>

जहाँ पर मध्यम समयावधि या देरी से पकने वाली किस्में लगाईं गई हैं, सोयाबीन फसल 80 दिन की अवधि पूर्ण कर चुकी हैं, फसल पर कीट या रोग नियंत्रण के लिए निम्न उपाय अपनाने की सलाह हैं.

7	बीजोत्पादन कार्यक्रम वाले खेत में सलाह हैं कि फसल पर निम्न अनुशंसित फफूंदनाशकों में से किसी एक का फसल पर छिडकाव करें. टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाझोल 10%+सल्फर 65%WG (1250 ग्राम/हे) या कार्बेन्डाजिम+मेन्कोजेब 63% WP (1250 ग्राम/हे) या पिकोक्सीस्ट्रोबिन 22.52% w/wSC (400 मिली/हे) या फ्लुक्सापाग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 ग्रा/हे.) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन 133 g/l + इपिक्साकोनाजोल 50g/l SE (750 मिली/हे). इनके छिडकाव से ब्राउन स्टेम रोट , पोड ब्लाइट, एन्थ्राक्नोज, रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट जैसे फफूंदजनित रोगों का भी नियंत्रण हो सकेगा. Where the crop is sown for seed purpose or the produce is to be used as seed during next season, farmers are advised to spray the crop with any of the following recommended fungicides Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1250 g/ha) OR Carbendazim+Mancozeb 63%WP (1250 g/ha) OR Picoxystrobin 22.52% w/w SC (400 ml/ha) OR Fluxapyroxad 167 g/l + Pyraclostrobin 333 g/l SC (300 g/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) as a protective spray for control of fungal diseases. The spray of these fungicide may also help for control of fungal diseases like pod blight, brown stem rot, anthracnose, rhizoctonia aerial blight etc.	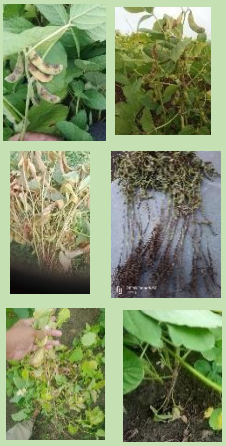
8	तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि फसल पर फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी. (250-300 ग्रा./हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) का छिडकाव करने की सलाह हैं. Certain districts of Madhya Pradesh including Vidisha and Ratlam have seen the incidence of tobacco caterpillar. Farmers are advised to apply the spray of any one of the following insecticides for its control. These are Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 ml/ha) OR Spinetoram 11.70 % SC (150 ml/ha).	
9	दाने भरने की अवस्था में फली भेदक चने की इल्ली द्वारा फलियों के अन्दर से दाने खाने की सम्भावना होती हैं. अतः इसके नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी एक कीटनाशक का छिडकाव करने की सलाह हैं. इंडोक्साकार्ब 15.8एस .सी (333 मि.ली/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या नोवाल्युरोन + इन्डोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), For control the attack of Gram Pod Borers during pod filling stage,,farmers are advised to spray any one of the following insecticides: Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), **OR** Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) **OR** Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha) **OR** Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) This may also help to reduce the damage caused by defoliators who are found eating the flowers.	

अन्य सुरक्षात्मक उपाय/सामान्य सलाह्

Other Precautionary Measures and general advise

1	तम्बाकू की इल्ली एवं चने की इल्लियों के नियंत्रण हेतु बाजार में उपलब्ध कीट-विशेष फेरोमोन ट्रैप या प्रकाश प्रपंच लगाये. इनके सेप्टा लगाने से पूर्व अपने हाथ स्वच्छ है यह सुनिश्चित करें. For the management of Tobacco caterpillar and gram pod borer, farmers are advised to install insect-specific pheromone traps and use NPV (250 LE/ha). The use of Emamectin benzoate (425 ml/ha) is also effective against these insects. Clean your hands before the installation of the septa.	
2	जैविक सोयाबीन उत्पादन करने वाले कृषकों को सलाह हैं कि पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर, तम्बाकू की इल्ली) से फसल की सुरक्षा एवं प्रारंभिक अवस्था में ही रोकथाम हेतु *बेसिलस थुरिन्जिएन्सिस* अथवा *ब्युवेरिया बेसिआना* या *नोमुरिया रिलेयी* (1.0 ली/.हेक्टे) का छिडकाव करें. Farmers are advised to use *Bacillus thuringiensis* or *Beauveria bassiana or Nomuriya rileyi* @ 1 l/ha for control of defoliators (semilooper, tobacco caterpillar) especially in organic soybean production.	
3	कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा इल्लियों को खाने से होने वाले नियंत्रण को और सुविधाजनक बनाने हेतु सोयाबीन फसल में पक्षियों की बैठने हेतु "T" आकार के बर्ड-पर्चेस लगाये . इससे कीट-भक्षी पक्षियों द्वारा भी इल्लियों की संख्या कम करने में सहायता मिलती है . Install "T shaped" Bird Perches at different locations facilitating the easy access to the predatory birds for feeding on leaf eating caterpillars.	
4	वायरस जनित पीला मोज़ेक रोग से सुरक्षा हेतु इन रोगों को फैलाने वाले रसचुसक कीट सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण के लिए अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. Install Yellow Sticky Traps at different locations in the field as preventive measures for control of white fly acting as carriers for transmission of these viral diseases.	
5.	सोयाबीन फसल पर पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों (कीटनाशक/फफूंद नाशक) के छिडकाव में पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रयेर या ट्रेक्टर चालित स्प्रयेर से 450 लीटर/हे पॉवर स्प्रेयर से 125 लीटर/हे न्यूनतम) का उपयोग करें. Farmers are advised to use recommended quantity of water while spraying the insecticide or herbicide (450 l/ha for knapsack/ tractor drawn sprayer OR 120 l/ha for power sprayer).	

Please follow our social Media